सभी प्रकार की सरकारी सहायताओं से मुक्त, खोजी पत्रकारिता का तेज बढ़ता अखबार

दैनिक

themovementofindia.in

द मूवमेंट ऑफ़ इंडिया

RNI No. RAJHIN/2012/48876
पोस्टल पंजीयन नं. भीलवाड़ा / 2025-2027

खोजी खबरें-तेज नजरें

प्रेरणा स्रोत - स्व. चुन्नीलाल सालवी

ये अखबार ही नहीं क्रांति का अभियान है। मानवता एवं लोकतंत्र का सजग प्रहरी, ये दुष्टों की मौत का सामान है।

वर्ष - 14 अंक -22 | 16 जुलाई 2025, मंगलवार | संपादक - दयाराम दिव्य | सहसंपादक - चाहत सालवी | मूल्य - 2 रू.

पीहर आई विवाहिता ने किया सुसाइड:कमरे में लगाया फांसी का फंदा

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

दो बच्चों की मां ने अपने घर के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिवार के लोगों ने जब महिला को आवाज लगाई और उसने कोई जवाब नहीं दिया तो उन्होंने कमरे में देखा जहां वो फांसी के फंदे से लटकी हुई थी। परिजन महिला को फंदे से उतारकर हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

चित्तौड़ से भीलवाड़ा आई हुई थी

मामला शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र का है। थाना क्षेत्र के हरिजन कॉलोनी में चित्तौड़ के मूंडवा गांव से पूजा पत्नी अर्जुन चित्तौड़ से अपने ससुराल से भीलवाड़ा हरिजन कॉलोनी अपने पीहर आई हुई थी। सोमवार शाम अज्ञात कारणों के चलते फांसी का फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। परिजनों के आवाज लगाने पर जब कोई जवाब नहीं मिला तो वे उसे देखने उसके कमरे में गए जहां वो उन्हें फांसी के फंदे से लटकी नजर आई। परिजन उसकी बॉडी को फंदे से उतार हॉस्पिटल लेकर पहुंचे जहां ड्यूटी डॉक्टर ने इसे मृत घोषित कर दिया।

जयपुर के महारानी कॉलेज में मजार पर मचा बवाल, विरोध में हनुमान चालीसा का पाठ

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजस्थान विश्वविद्यालय से संबद्ध जयपुर के महारानी कॉलेज में बने तीन मजारों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। मंगलवार को धरोहर बचाओ संघर्ष समिति ने कॉलेज गेट पर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ कर अपना विरोध दर्ज कराया। समिति का कहना है कि कॉलेज परिसर में मजार का निर्माण अवैध है और यह धार्मिक अतिक्रमण का मामला है। संघर्ष समिति के अध्यक्ष भारत शर्मा ने साफ शब्दों में कहा कि अगर प्रशासन की ओर से गठित जांच कमेटी की रिपोर्ट 18 जुलाई को उनके पक्ष में नहीं आती है, तो वे जयपुर की जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रशासन इस परिणाम के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होगा। भारत शर्मा ने कहा, ÷हमने कॉलेज प्रशासन की सद्बुद्धि के लिए आज सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया है। अगर जांच में फैसला हमारे पक्ष में नहीं आता, तो हम आंदोलन की रूपरेखा तैयार कर चुके हैं। किसी भी सूरत में इस तरह के अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं करेंगे।÷

उन्होंने कहा कि जब महारानी कॉलेज की स्थापना हुई थी, उस समय वहां किसी भी तरह की मजार मौजूद नहीं थी।

स्पष्ट रूप से प्रशासन की लापरवाही का नतीजा है कि आज कॉलेज परिसर में तीन-तीन मजारें बन चुकी हैं और किसी को खबर तक नहीं,÷ शर्मा ने कहा। भारत शर्मा ने इस घटनाक्रम को लैंड जिहाद की संज्ञा दी। उनका आरोप है कि कॉलेज की शैक्षणिक और सरकारी जमीन पर नियमों के खिलाफ मजारें बनाई गई हैं, और यह एक योजनाबद्ध षड्यंत्र है, जिसके जरिए भविष्य में इन जमीनों को वक्फ संपत्ति घोषित करवाने की कोशिश की जाएगी।

अजमेर में चाकूबाजी, चाचा-भतीजे की मौत: बाइक और गाड़ियों में 50 से 60 हमलावर आए

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

अजमेर के रामगंज में किसान भवन के पास मीट शॉप पर दो गुटों में चाकूबाजी में दो लोगों की मौत हो गई। सात जने घायल हो गए। अचानक चाकूबाजी की घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों का अजमेर के जेएलएन हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

झगड़ा मीट की रेट को लेकर हुआ था। बताया जा रहा है कि दोनों गुट में पुरानी रंजिश भी थी। मृतकों में इमरान पुत्र रहीम और शाहनवाज पुत्र सब्बीर अहमद है। मृतक चाचा-भतीजा थे। मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

एडिशनल एसपी हिमांशु जांगिड़, सीओ ओमप्रकाश सहित पुलिस के अन्य अफसर हॉस्पिटल पहुंचे हैं। घटना पाकीजा मीट शॉप की है।

50 से 60 हमलावर आए थे

एडिशनल एसपी हिमांशु जांगिड़ ने बताया- मीट की रेट को लेकर दो गुटों में झगड़ा हुआ था। हमलवारों ने चाकूबाजी शुरू कर दी। कई लोग घायल हो गए। पुरानी रंजिश की भी बात सामने आ रही है।

प्रत्यक्षदर्शी रईश ने बताया- पहले दो जने और बाद में थार की गाड़ी व बाइक अन्य साधनों से 50 से 60 लोग पहुंचे। उन्होंने अचानक हमला कर दिया। बोतलें फेंकने लगे और चाकूबाजी की। इस दौरान अफरा-तफरी मच गई। इसमें इरफान, शाहबाज, आफताब, शाहरुख आदि के चोट लगी है, जिन्हें हॉस्पिटल ले जाया गया।

पहले वॉट्सऐप पर हुई थी बहस

जानकारी अनुसार कल से ही दो पक्षों में विवाद चल रहा था। वॉट्सऐप ग्रुप में भी आपस में दोनों पक्षों में बहस चल रही थी। आज यह रेट को लेकर घटनाक्रम हुआ है।

राजस्थान के 11 जिलों को मिलाकर नया राज्य बनाओ... इस सांसद ने उठाई मांग

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

राजस्थान के बांसवाड़ा-डूंगरपुर से भारत आदिवासी पार्टी के सांसद राजकुमार रोत ने एक बार फिर अलग भीलप्रदेश के गठन की पुरानी मांग को जोर-शोर से उठाया है। इस मांग को बल देने के लिए उन्होंने 1885 के एक ऐतिहासिक नक्शे का सहारा लिया, जो भिल समुदाय के पारंपरिक क्षेत्र को दर्शाता है। नक्शे में राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के उन हिस्सों को चिह्नित किया गया है, जहां भिल आदिवासियों की घनी आबादी रही है। रोत का दावा है कि यह नक्शा उस समय के भौगोलिक और सांस्कृतिक वास्तविकता को प्रतिबिंबित करता है। सांसद ने प्रस्ताव रखा है कि राजस्थान के 11 जिलों बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और आसपास के अन्य क्षेत्रों को मिलाकर एक नया राज्य बनाया जाए। इसके अलावा, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के आदिवासी बहुल जिलों को भी इस नए राज्य में शामिल करने की बात कही गई है। उनका कहना है कि यह कदम भिल समुदाय के ऐतिहासिक अधिकारों को बहाल करने और उनकी सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने की दिशा में होगा।

दिया ऐतिहासिक तर्क

रोत ने अपनी मांग को ऐतिहासिक संदर्भ से भी जोड़ा है। उन्होंने बताया कि 1913 में गोविंद गुरु के नेतृत्व में मांगढ़ में 1500 से अधिक आदिवासियों ने भील राज्य की मांग को लेकर अपनी जान गंवाई थी। उनका मानना है कि आजादी के बाद इन क्षेत्रों को चार राज्यों में बांटकर भिल समुदाय के साथ अन्याय हुआ, और अब समय आ गया है कि इस अन्याय को सुधारा जाए। इस मांग ने सियासी गलियारों में हलचल मचा दी है। जहां कुछ समर्थक इसे आदिवासी अधिकारों की लड़ाई बता रहे हैं, वहीं कई नेताओं ने इसे देश की एकता के खिलाफ करार दिया है। कुछ ने तो रोत पर राजस्थान तोड़ने की साजिश रचने का आरोप लगाया है, जबकि अन्य ने इसे असंवैधानिक बताते हुए खारिज कर दिया। सोशल मीडिया पर भी इस मुद्दे पर बहस छिड़ गई है। सोशल मडिया पर हमारी मांग भीलप्रदेश ट्रेंड कर रहा है।

अदालत का पीपी रिश्वत लेते गिरफ्तार

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

बीकानेर में ACB ने कोर्ट में लोक अभियोजक के रूप में काम कर रहे युवक को हजार रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया है। युवक पांच सौ रुपए पहले ले चुका था। बाकी के पांच सौ रुपए लेते हुए दबोच लिया। इससे पहले युवक ने रुपए चबाकर खुद को बचाने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने निकालकर उसे पकड़ा।एससी-एसटी कोर्ट में पीपी जगदीश कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी ने खुद को छुपाने की कोशिश की

रिश्तखोर युवक ने परिवादी को किसी प्रकरण में लाभ देने की कोशिश में एक हजार रुपए की मांग की गई थी। इस पर परिवादी ने एसीबी को शिकायत कर दी। इससे पहले वह पांच सौ रुपए ले चुका था। ऐसे में एसीबी ने ट्रैप का जाल बिछा लिया। मंगलवार दोपहर एसीबी की टीम मौके पर पहुंची। परिवादी ने जैसे ही पांच सौ रुपए दिए, वैसे ही एसीबी ने उसे दबोच लिया। पीपी जगदीश प्रसाद ने पांच सौ रुपए का नोट चबाने की कोशिश की लेकिन एसीबी पुलिस ने बाहर निकलवा लिया। एसीबी टीम की कार्रवाई होने के साथ ही अदालत परिसर में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में वकील और अन्य लोग एकत्र हो गए। पीपी जगदीश ने खुद को छिपाने का खूब प्रयास किया लेकिन बड़ी संख्या में लोगों ने उसे गिरफ्तार कर ले जाते के वीडियो भी बना लिए।

कार्रवाई एडिशनल एसपी आशीष कुमार के निर्देशन में हुई। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसीबी के सीआई इंद्र कुमार ने कार्रवाई की।

C M Y K

सम्पादकीय

नीति आयोग की मानव पूंजी क्रांति

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में, प्रगति का सही मापदंड सिर्फ़ जीडीपी के आँकड़ों या बुनियादी ढाँचे की उपलब्धियों में नहीं है, बल्कि इस बात में है कि कोई राष्ट्र अपने लोगों का कितने अच्छे तरीके से पोषण करता है। मानव पूंजी - अर्थात् हमारी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और उत्पादकता - सिर्फ़ एक आर्थिक संपत्ति नहीं है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता भी है। पिछले दस वर्षों में, भारत के प्रमुख नीति थिंक टैंक, नीति आयोग के नेतृत्व में एक शांत लेकिन जबरदस्त क्रांति ने आकार लिया है, जिसने देश के सबसे मूल्यवान संसाधन- अपने नागरिकों में निवेश करने के तरीके को एक नया रूप दिया है। एक ऐसे देश में जहां 65त्न से ज़्यादा आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है, जनसांख्यिकी लाभांश एक पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर है। लेकिन इस युवा आबादी का विशाल आकार बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी लेकर आता है। चुनौती युवा ऊर्जा को आर्थिक वृद्धि और राष्ट्रीय विकास के लिए एक कारक में बदलने की है। यहीं पर नीति आयोग एक दूरदर्शी उत्प्रेरक के रूप में उभरा है - जो न केवल आज की प्रगति के लिए बल्कि कल की समृद्धि के लिए भी एक रोडमैप तैयार कर रहा है। पिछले दशक में, नीति आयोग एक थिंक टैंक से एक सुधारवादी इंजन और क्रियान्वयन भागीदार के रूप में उभरा है, जो डेटा, सहयोग और मानव-केंद्रित डिजाइन से समर्थित साहसिक विचारों के लिए जाना जाता है। इसने नीति निर्माण को शीर्ष-स्तरीय अभ्यास से राज्यों, निजी भागीदारों, वैश्विक संस्थानों और नागरिक समाज के साथ सह-निर्माण की एक गतिशील प्रक्रिया में बदल दिया है। इसकी ताकत सिर्फ योजना बनाने में नहीं है, बल्कि सुनने में है - और उन अंतर्दृष्टि को कार्रवाई में बदलने में है। शिक्षा, जो मानव पूंजी का आधार है, ने इसके मार्गदर्शन में पूरी तरह से पुनः कल्पना की साक्षी रही है। यह मानते हुए कि केवल अधिगम ही पर्याप्त नहीं है, नीति आयोग ने गुणवत्ता और समानता पर जोर दिया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, जहाँ इसने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ने एक नए युग की शुरुआत की - रटने की शिक्षा से आलोचनात्मक सोच, लचीलेपन और व्यावसायिक एकीकरण की ओर बदलाव। इसने प्रारंभिक बाल्य शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षा और विषयों के बीच निर्बाध पारगमन पर जोर दिया। अटल नवाचार मिशन जैसी पहलों के माध्यम से, इसने जवाबदेही और कल्पनाशक्ति अर्थात दोनों को सुनिश्चित किया - 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब्स में नवाचार को शामिल किया जो अब पूरे देश भर में फैले हुए हैं। 21वीं सदी के लिए भारत के युवाओं को कौशल प्रदान करना इसके मिशन का एक और आधारशिला रही है।

प्रधान संपादक - दयाराम दिव्य

'छोटी उम्र, बड़ा संकल्पः श्रेया कुमावत के पर्यावरणीय कार्यों से प्रेरित हुईं सहायक वन संरक्षक मुन्नी चौधरी'

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

शाहपुरा-पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अद्भुत योगदान देने वाली शाहपुरा मॉडल स्कूल की 8 वी कक्षा की नन्हीं पर्यावरण संरक्षक ग्रीन लिटिल बेबी नाम से प्रशिद्ध श्रेया कुमावत ने हाल ही में वन विभाग भीलवाड़ा कार्यालय मे सहायक वन संरक्षण अधिकारी मुन्नी चौधरी से औपचारिक रूप से भेंट वार्ता की।इस दौरान श्रेया ने उन्हें अपने द्वारा किए गए प्राणिक (जीवंत) क्षेत्र में वृक्षारोपण, सीडबॉल निर्माण, औषधीय पौधों के वितरण एवं ÷हर घर हरियाली÷ अभियान के तहत किए गए जागरूकता कार्यों की जानकारी

दी।भेंट वार्ता के अवसर पर श्रेया ने मुन्नी चौधरी को 2 बॉक्स छायादार वृक्षों के बी-बॉल (सीड बॉल) भेंट किए।एवं कार्यलय के सभी कर्मचारीयों को इको फ्रेंडली सीडबॉल पोटली व बीज पेकिट वितरण किये।इस सादगीपूर्ण भेंट के पीछे श्रेया का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना - स्पष्ट दिखाई दिया।मुन्नी चौधरी ने श्रेया कुमावत के कार्यों की सराहना करते हुए कहा, ÷यह बालिका निश्चित ही आज की युवा पीढ़ी के लिए एक प्रेरणा स्रोत है। ऐसे छोटे बच्चों की हमें बहुत आवश्यकता है, जो देश की धरती को हरा-भरा रखने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करें। यह श्रेया जैसे बच्चों का जुनून ही है जो भारत को हरियाली की ओर ले जाएगा। हम पूर्ण रूप से इनके साथ हैं और हर संभव सहयोग देने को तत्पर हैं।÷यह मुलाकात न केवल बालिका श्रेया के कार्यों को मान्यता देती है,बल्कि समाज में पर्यावरणीय चेतना के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण भी स्थापित करती है। श्रेया की यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को प्रकृति से जुड़ने की नई राह दिखा रही है।

नगर विकास न्यास ने आवासीय योजना के फॉर्म जमा कराने की तारीख 15 जुलाई से बढ़ाकर की 19 जुलाई

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा । नगर विकास न्यास द्वारा विभिन्न आवासीय योजनाओं में लॉटरी द्वारा आवंटन के लिये आवेदन पत्र एवं भरे हुये आवेदन पत्र सम्बन्धित बैंको के माध्यम से विक्रय एवं प्राप्त किये जा रहे है। आवेदन फॉर्म जनता द्वारा सभी बैंको में अत्यधिक भीड होने के कारण एवं जनता की सुविधा के लिये प्रकरण में निम्नानुसार कार्यवाही की जा रही है।

सचिव नगर विकास न्यास ने बताया कि सम्बन्धित बैंको से आवेदन पत्र प्राप्त करने की

अंतिम तिथि 15 जुलाई नियत थी। बैंको से आवेदन पत्र क्रय करने की अवधि 15 जुलाई तक ही रहेगी। आवेदकगण इस अवधि तक आवेदन क्रय कर सम्बन्धित बैंको में 19 जुलाई तक जमा करा सकेगें। भरे हुये आवेदन 19 जुलाई तक सम्बन्धित बैंको में जमा कराये जायेगें। नियत अवधि के पश्चात् किसी भी स्थिति में आवेदन पत्र सम्बन्धित बैंको द्वारा और न ही न्यास द्वारा स्वीकार किये जायेगें। उन्होंने सभी आवेदको से आग्रह किया है कि वे अतिशीघ्र बैंकों में आवेदन पत्र जमा करावें।

जनसाधारण की सुविधा के लिये न्यास द्वारा कार्यालय में आवेदन पत्र/फार्म उपलब्ध करवाने की व्यवस्था एकल खिड़की के माध्यम से की जा रही है जो कि 15 जुलाई तक ही रहेगी। सुविधा केवल आवेदन/फार्म जनसाधारण को देने के लिये ही है। न्यास द्वारा भरे हुये आवेदन पत्र किसी भी स्थिति में स्वीकार नही किये जायेगें। भरे हुये आवेदन पत्र सम्बन्धित बैंक एवं उनकी शाखाओं में ही जमा होगे।

हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत गृह रक्षा विभाग द्वारा जिले में किया गया वृक्षारोपण

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा, 14 जुलाई। अतिरिक्त मुख्य सचिव राजस्थान जयपुर एवं निदेशालय, गृह रक्षा राजस्थान जयपुर के द्वारा हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत आगामी मानसून के दौरान वृक्षारोपण किये जाने के लिए गृह रक्षा विभाग को 30 सितम्बर तक 500 वृक्षों का वृक्षारोपण करने के निर्देश प्रदान किए गए , जिसके फलस्वरूप गृह रक्षा विभाग के कमाण्डेन्ट श्री ललित बिहारी व्यास के निर्देशन में हरियालो राजस्थान के अवसर पर कार्यक्रम को साकार करने के लिए कार्यालय, समादेष्टा, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, पर 150 पौधे एवं उपकेन्द्र (जहाजपुर पर 50 वृक्ष, गुलाबपुरा 40, गंगापुर 40) कुल 280 वृक्षों का वृक्षारोपण किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के छायादार व फल फूल वाले पौधे लगाए गए।

इस अवसर पर होमगार्ड प्रशिक्षणार्थियों, सदस्यों को ग्लोबल वार्मिंग, पर्यावरण सुरक्षा हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण

करने एवं उनका सरंक्षण करने हेतु प्रेरित किया। कार्यकम का आयोजन कमाण्डेन्ट श्री ललित बिहारी व्यास के निर्देशन में गृह रक्षा विभाग के कम्पनी कमाण्डर श्री कर्मजीत सिंह के नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में गृह रक्षा विभाग के लेखाधिकारी द्वितीय गजानन्द कुमावत, मुख्य आरक्षी शान्तिलाल, वरिष्ठ सहायक नरेन्द्र सिंह मीणा, वरिष्ठ सहायक देवेन्द्र सिंह, आरक्षी मंजित, महावीर प्रसाद एवं स्वयंसेवक राजनारायण श्रोत्रिय, राकेश कुमार, रमेशचन्द्र, हरलेश कुमार, विशाल, सदाकत अली, छोटूलाल आदि मौजूद रहे।

एक मुफ्त समाधान योजना के तहत 30 सितम्बर तक ऋण जमा कराने पर ब्याज में छुट

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाडा, 14 जुलाई। राज्य सरकार के बजट घोषणा 2025-26 के तहत प्रदेश में राज. अनुसुचित जाति एवं जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम से अनुसूचित जाति, जनजाति, सफाई कर्मचारी वर्ग, दिव्यांगजन एवं अन्य पिछडे वर्गों को 31 मार्च 2025 तक वितरित किये गये ऋणों पर राहत प्रदान करते हुए अतिदेय मूलधन देय राशि 30 सितम्बर 2025 तक जमा कराये जाने पर अतिदेय ब्याज एवं पेनल्टी की राशि की शत-प्रतिशत छूट दी जायेगी।

राज. अनु. जाति जनजाति वित्त एवं विकास सहकारी निगम लिमिटेड के परियोजना प्रबन्धक नूतन कुमार शर्मा ने बताया कि जिले के ऋणी जिन्होने अनुजा निगम से ऋण लिया है, ऐसे समस्त बकाया ऋणी एक मुफ्त समाधान योजना का लाभ उठा सकते है।

उन्होंने बताया कि योजना का प्रथन चरण 1 मई से 30 सितम्बर 2025 तक लागु रहेगा, जिसमें एक मुफ्त भुगतान करने पर साधारण ब्याज व दण्डनीय ब्याज माफ किया जायेगा।

आजाद समाज पार्टी लड़ेगी पंचायती चुनाव

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

शाहपुरा राजेन्द्र खटीक।

जहाजपुर-भीलवाड़ा जिले में चार-चार विधानसभा क्षेत्रों में जिला अध्यक्ष चिरंजी लाल व जहाजपुर कोटडी विधानसभा प्रत्याशी भैरूलाल रेगर ने कहां की चार विधानसभा में आजाद समाज पार्टी चुनाव लड़ेगी। भीलवाड़ा माडंल शाहपुरा और जहाजपुर पुरी तैयारी के साथ आजाद समाज पार्टी लड़ेगी चुनाव।सीआर, डीआर व पार्षद में पुरा दम खम के साथ चुनाव लडेगी। इसमें शामिल हुए कई कार्यकर्ता, विधानसभा

अध्यक्ष प्रचार प्रसार मंत्री, जिला सचिव विधानसभा प्रभारी, पंचायत व बुत लेवल पर अध्यक्ष पद नियुक्त किया जाएगा ग्रामीण क्षेत्र में पुरी तैयारी के साथ टीम काम कर रही है जनता की आवाज बनेगी पार्टी हर मुद्दे पर आवाज उठाएगी।गरीब किसान मजदूरों की हक की लड़ाई के लिए मैदान में उतरेगी आजाद समाज पार्टी।यह जानकारी भैरू लाल रेगर ने बताई है।

भाईचारा कमेटी के दफ्तर का हुआ उद्घाटन

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा 15 जुलाई / सांप्रदायिक सद्भाव एवं भाईचारा बढ़ने के साथ ही सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई गतिविधियों के संचालन के लिए स्थापित की गई सुभाष नगर भाईचारा कमेटी का विधिवत रूप से दफ्तर खोला गया ।

कमेटी के दफ्तर का उद्घाटन मुस्लिम महा पंचायत के प्रधान महासचिव शहजाद खान ने किया इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष नाहर खां कायमखानी, महासचिव डॉ. फखरुद्दीन मंसूरी, नायब सदर फूल खां कायमखानी, कोषाध्यक्ष फखरुद्दीन शेख, बाबू भाई मंसूरी, फिरोज खान, कमालुद्दीन पठान, सलीम मंसूरी सहित कार्यकारिणी के सदस्य मौजूद थे, इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि कमेटी भाईचारे के साथ-साथ समाज के विकास कार्यों में योगदान देगी और समय-समय पर रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ।

अकांक्षा नामा अध्यक्ष, ऋषिका सबरवाल सचिव नियुक्त

भीलवाड़ा लेडीज़ सर्कल की वार्षिक बैठक सम्पन्न

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। (पंकज पोरवाल)

भीलवाड़ा लेडीज़ सर्कल 198 की वार्षिक बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में सर्वसमिति से अकांक्षा नामा को अध्यक्ष, खुशबू जैन को उपाध्यक्ष, ऋषिका सबरवाल को सचिव एवं राधिका पारिक को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी तबस्सुम सेफी पठान, एएसटी सकीना सिग्नलवाला एवं

विशिष्ट अतिथि चारु बियानी उपस्थित रहीं। अध्यक्ष अकांक्षा नामा ने अपने विज़न को साझा करते हुए कहा कि इस वर्ष का उद्देश्य है हर महिला को उसके हुनर के अनुसार प्रोत्साहित कर, एक-दूसरे को सशक्त बनाना। इस विशेष दिन पर भीलवाड़ा लेडीज़ सर्कल 198 द्वारा एक बालिका की वार्षिक ट्यूशन फीस का भुगतान भी किया गया, जो संगठन की समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

गाय को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर पलटी कार, पुलिस हेड कांस्टेबल के पुत्र की मौत,एक अन्य गंभीर घायल

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

सुरज वर्मा

कादेड़ा कस्बे में शाहपुरा मार्ग पर मंगलवार सुबह सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।मृतक की पहचान सांपला निवासी दीपक कुमार (21) पुत्र कैलाश चंद्र रेगर के रूप में हुई है। वहीं गंभीर रूप से घायल युवक कादेड़ा निवासी सुरेंद्र कुमार (22) पुत्र द्वारका रेगर हुई यह हादसा सुबह करीब 5 बजे उस वक्त हुआ,जब दोनों युवक कार में शाहपुरा से कादेड़ा आ रहे थे।सूचना मिलते ही कस्बे के लोग मौके पर पहुंचे और अपने निजी वाहनों से दोनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया तथा सुरेन्द्र को प्राथमिक उपचार के बाद केकड़ी के लिए रैफर कर दिया था।हादसे की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस के हेड कांस्टेबल राजेश मीणा मय पुलिस जाब्ता कादेड़ा अस्पताल पहुंचे और मृतक के शव को मोर्चरी में

रखवाया।

परिजन को सौंपा शव- पुलिस ने पंचनामा, पोस्टमार्टम आदि आवश्यक कार्रवाई के बाद शव परिजन को सुपुर्द कर दिया। सदर थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक युवक दीपक के पिता कैलाश चंद्र रेगर राजस्थान पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं तथा मसूदा थाना पुलिस में पोस्टेड है। वे पूर्व में केकड़ी सिटी थाना पुलिस में भी कार्यरत रह चुके हैं। घायल युवक सुरेंद्र की शादी दस दिन पहले ही हुई है तथा वह मृतक दीपक की बुआ का लड़का है। घटना का पता चलते ही परिजन का रो- रोकर बुरा हाल हो गया।

माडंल माहेश्वरी सेवा समिति भीलवाड़ा ने किया पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

जब तक पृथ्वी पर पेड़ों का अस्तित्व है तब तक ही मानव सभ्यता का अस्तित्व है - रामनारायण बिड़ला

द मूवमेंट ऑफ इंडिया

भीलवाड़ा। (पंकज पोरवाल)

माडंल माहेश्वरी सेवा समिति भीलवाड़ा के अध्यक्ष सुरेश चन्द्र बिडला ने बताया कि मंगलवार प्रातः कस्बे के पीएमश्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय में विशाल पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रमचेयरमैन रामनारायण बिड़ला के मुख्यातिथ्य व भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अशोक बाहेती की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। समिति के अध्यक्ष सुरेश बिड़ला ने समिति के कार्यकलापों की जानकारी दी। अतिथियों द्वारा विद्यालय में विभिन्न किस्मो के 111 पौधे लगा उनकी देखरेख की जिम्मेदारी ली। पौधारोपण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उधमी रामनारायण बिड़ला ने कहा कि जब तक पृथ्वी पर पेड़ों का अस्तित्व है तब तक ही मानव सभ्यता का अस्तित्व है। इसलिए हमें पेड़ों की सुरक्षा करनी होगी। पेड़ हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं और इनकी रक्षा करना हमारा दायित्व है। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष अशोक बाहेती ने कहा की पौधे लगाकर ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण को आसानी से कम किया जा सकता हैं। ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने से पर्यावरण में सुधार के साथ-साथ वर्षा भी अधिक होती हैं। प्राचार्य विनीत शर्मा ने अतिथियों को कुमकुम तिलक लगा उपरना ओढ़ा कर स्वागत किया। पौधारोपण कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष रामराय सेठिया, माडंल माहेश्वरी तहसील अध्यक्ष पवन मंडोवरा, महिला मण्डल अध्यक्ष चंदा झंवर, जिला संगठन मंत्री कृष्ण गोपाल राठी, व माडंल माहेश्वरी सेवा समिति भीलवाड़ा के रोशन लाल तोतला, रमेश चन्द्र काबरा, श्याम बिडला, विनोद गटयाणी, पुरषोत्तम ईनाणी, सत्येंद्र बिड़ला, सुशील बिड़ला, कैलाश तोतला, ओम बिडला, प्रमोद ईनाणी, कृष्णा गोपाल ईनाणी, रमेश बिड़ला सहित अन्य कई सदस्य के साथ ही स्कूल के अध्यापक मौजूद थे। संचालन श्याम सुन्दर बिड़ला ने किया। अंत मे समिति अध्यक्ष सुरेश चन्द्र बिडला द्वारा सभी का आभार ज्ञापित किया।

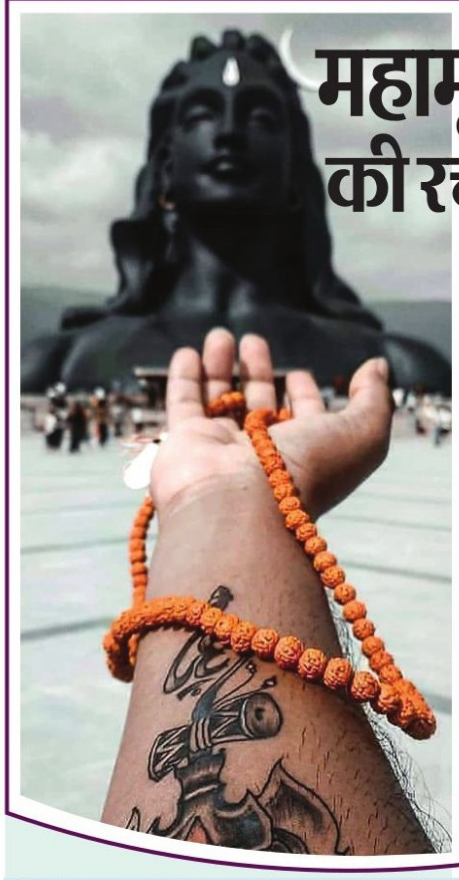

महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यक्ति निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भक्त ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए. यह देख जब उनकी पत्नी ने दु:ख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगें तो इसे टाल देंगें। माता-पिता के दु:ख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।

महामृत्युंजय मंत्र : ऊँ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात

समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए.पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। साथ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए.

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति।
- सरसों का तेल- शत्रु नाश।
- मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति।
- घी- वंश वृद्धि।
- पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए।
- गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति।
- छाछ- ज्वर से छुटकारा।
- शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति।

भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अभिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव क्या दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी मुंह मांगा वरदान देने में पीछे नही हटते हैं।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रुलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की ज्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमश: गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वत: प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,

शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी है और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिवाज़क है अर्थात जगह जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।

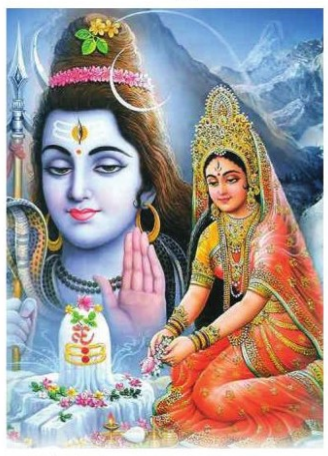

- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहें कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फेरे लिए हैं तो फिर कैसे इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुन: शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

हिन्दू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुरू होने के बाद पांचवां मास श्रावण मास का है। देवषयन का यह प्रथम चातुर्मास है। इस मास मे कथा भागवत और अनगिनत उत्सव मनाये जाते है। श्रावन मास के प्रत्येक सोमवार को श्रावन सोमवार कहा जाता है। श्रद्धालु पवित्र जल से शिवलिंग को स्नान कराते हैं। फूल, मालाओं से मूर्ति या शिवलिंग को पूजते हैं। मंदिर में 24 घंटे दीप जलते रहते हैं। उत्तर भारत के विभिन्न प्रान्तों से इस महीने शिवभक्त गंगाजल लेने.. यानी कांवड का पवित्र जल लेने हरिद्वार, ऋषिकेश, काशी और गंगासागर की यात्रा पैदल करके श्रावण कृष्ण चतुर्दशी को अपने क्षेत्र के शिवमन्दिर में शिवलिंग का अभिषेक करके पुण्य अर्जित करते हैं। कांवड लाकर रुद्राभिषेक करना बहुत ही कष्टसाध्य तप है जिसे देवगण, मानव, दानव सहित यक्ष किन्नर और साधुगण आदि काल से करते आ रहे हैं। शिव सभी के लिए वरदाता है जो जैसा मागें उसे वैसी ही सम्पदा दे देते हैं। श्रावण मास में आशुतोष भगवान शंकर की पूजा का विशेष महत्व है। जो प्रतिदिन पूजन न कर सकें उन्हें सोमवार को शिव पूजा अवश्य करनी चाहिए और व्रत रखना चाहिए। सोमवार भगवान शंकर का प्रिय दिन है, अत: सोमवार को शिवाराधना करनी चाहिए। इसी प्रकार मासों में श्रावण मास भगवान शंकर को विशेष प्रिय है। श्रावण में पार्थिव शिवपूजा का विशेष महत्त्व है। अत: इस महीने शिव पूजा या पार्थिव शिवपूजा अवश्य करना चाहिए। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ कराने का भी विधान है। श्रावणमास में जितने भी सोमवार पड़ते हैं, उन सब में शिवजी का व्रत किया जाता है। इस व्रत में प्रात: गंगा स्नान अथवा किसी पवित्र नदी या सरोवर में अथवा विधिपूर्वक घर पर ही स्नान करके शिवमन्दिर में जाकर स्थापित शिवलिंग या अपने घर में पार्थिव मूर्ति बनाकर यथाविधि षोडशोपचार-पूजन किया जाता है। यथासम्भव विद्वान ब्राह्मण से रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावन मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरुरी बातें -

- श्रावन मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपशकुनों से बचनें के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नम: शिवाय. का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को पवित्र और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं।शिव को सामान्यत: गेंहू से बनी चीजें अर्पित की जाती हैं।ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को मूंग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाएं शिव जी को यह प्रसाद

●इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●ड्राय फ्रूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●बर्फी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मैसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●घेवर ●सतू की मिठाई ●हलवा ●पैठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुए, बूंदी आदि।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (बिल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्न, खीर या मिष्ठान्न दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में घिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।
- बिल्वपत्र का सेवन, त्रिदोष यानी वात (वायु), पित्त (ताप), कफ (शीत) व पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
- हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पत्ते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
- जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
- यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।

चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्राति को बिल्वपत्र नहीं तोडना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्मिने च कवचिने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिने च।
नम: श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुभ्याय चा हनन्न्याय च नमो घृष्णवे।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम पापनाशनम। अघोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम। त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम।
अखण्डै बिल्वपत्रैश्च पूजये शिव शंकरम। कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम।
गृहाण बिल्व पत्राणि सपुश्पाणि महेश्वर। सुगन्धीनि भवानीश शिवत्वंकुसुम प्रिय।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक दयाराम दिव्य द्वारा मुद्रक वेदांत प्रभाकर, मेधा कम्प्यूटर्स एंड ऑफसेट प्रिंटर्स, ऑफिस नं. 128, वार्ड नं. 25, नंदभवन कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा 311001 (राज.) से मुद्रित एवं एस-20, प्रतापनगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित। संपादक दयाराम दिव्य 96949 57624, 87695 58132 * PRB एक्ट के तहत ख़बरों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भीलवाड़ा होगा